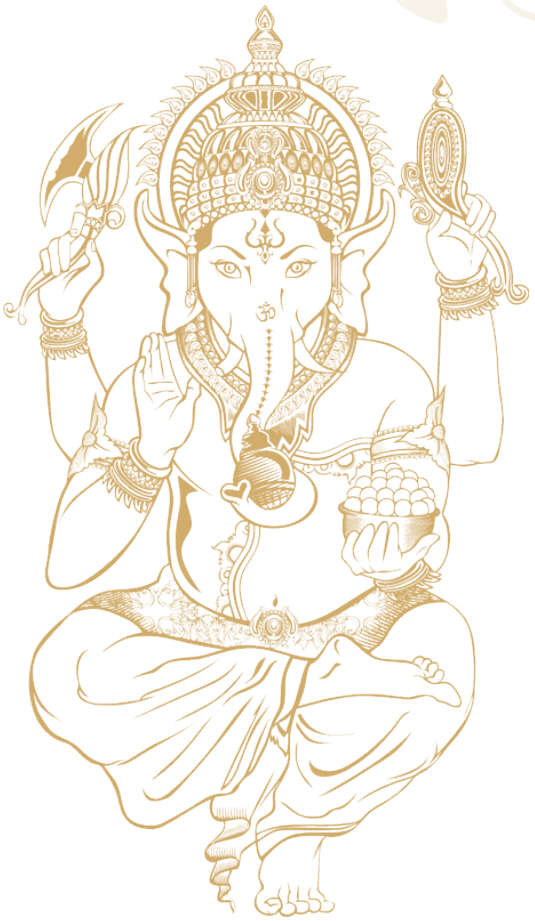

Pihu

20 Jan 2016

12:33 PM

Dehradun

Model: web-freekundliweb

Order No: 120985406

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**20/01/2016**
दिन	बुधवार
जन्म समय	**12:33:00 घंटे**
इष्ट	13:16:23 घटी
स्थान	**Dehradun**
राज्य	Uttarakhand
देश	India

अक्षांश	30:19:00 उत्तर
रेखांश	78:03:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:17:48 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	12:15:12 घंटे
वेलान्तर	-00:10:48 घंटे
साम्पातिक काल	20:11:38 घंटे
सूर्योदय	07:14:26 घंटे
सूर्यास्त	17:43:10 घंटे
दिनमान	10:28:43 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शिशिर
सूर्य के अंश	05:33:46 मकर
लग्न के अंश	21:12:46 मेष

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मेष - मंगल
राशि-स्वामी	**वृष - शुक्र**
नक्षत्र-चरण	**रोहिणी - 3**
नक्षत्र स्वामी	चन्द्र
योग	ब्रह्म
करण	बव
गण	मनुष्य
योनि	सर्प
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	वैश्य
वश्य	चतुष्पाद
वर्ग	मृग
युँजा	पूर्व
हंसक	भूमि
जन्म नामाक्षर	वी-वीणा
पाया(राशि-नक्षत्र)	रजत - स्वर्ण
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मकर

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मेष	21:12:46	445:32:49	भरणी	3	2	मंगल	शुक्र	गुरु	---
सूर्य			मक	05:33:46	01:01:04	उत्तराषाढ़ा	3	21	शनि	सूर्य	बुध	शत्रु राशि
चंद्र			वृष	18:32:12	13:48:43	रोहिणी	3	4	शुक्र	चंद्र	बुध	मूलत्रिकोण
मंगल			तुला	14:54:14	00:31:23	स्वाति	3	15	शुक्र	राहु	केतु	सम राशि
बुध	व		धनु	23:08:24	00:50:21	पूर्वाषाढ़ा	3	20	गुरु	शुक्र	शनि	सम राशि
गुरु	व		सिंह	28:55:14	00:02:20	उ०फाल्गुनी	1	12	सूर्य	सूर्य	मंगल	मित्र राशि
शुक्र			धनु	01:32:39	01:13:39	मूल	1	19	गुरु	केतु	शुक्र	सम राशि
शनि			वृश्चि	19:01:27	00:05:36	ज्येष्ठा	1	18	मंगल	बुध	केतु	शत्रु राशि
राहु	व		सिंह	29:14:56	00:07:08	उ०फाल्गुनी	1	12	सूर्य	सूर्य	राहु	शत्रु राशि
केतु	व		कुंभ	29:14:56	00:07:08	पू०भाद्रपद	3	25	शनि	गुरु	सूर्य	शत्रु राशि
हर्ष			मीन	22:44:55	00:01:17	रेवती	2	27	गुरु	बुध	चंद्र	---
नेप			कुंभ	13:59:51	00:01:53	शतभिषा	3	24	शनि	राहु	बुध	---
प्लूटो			धनु	21:37:54	00:02:02	पूर्वाषाढ़ा	3	20	गुरु	शुक्र	गुरु	---
दशम भाव			मक	06:36:50	--	उत्तराषाढ़ा	--	21	शनि	सूर्य	बुध	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:04:52

लग्न-चलित

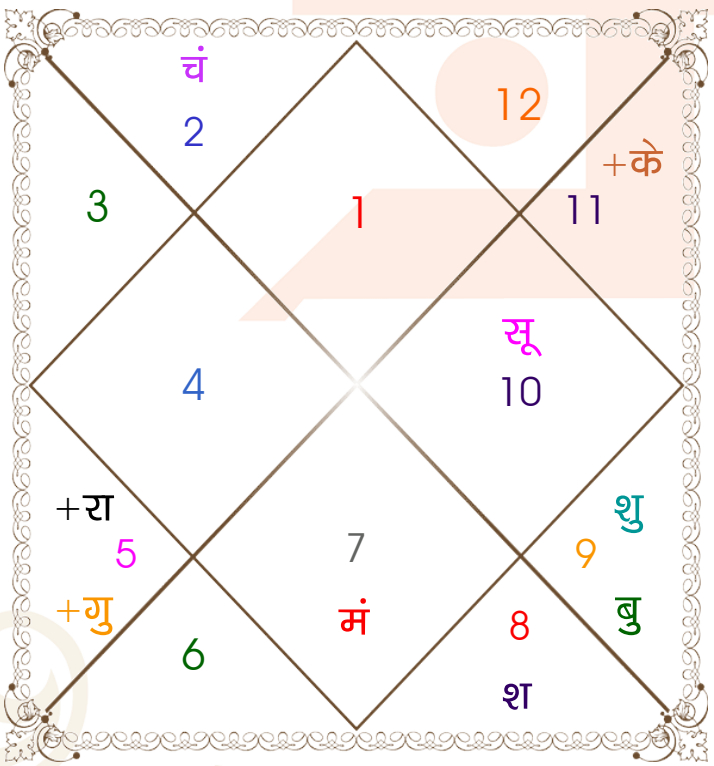

चन्द्र कुंडली

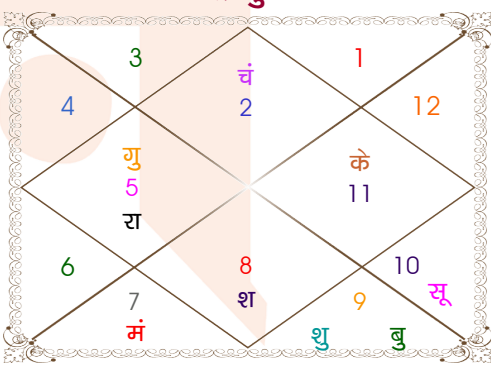

नवमांश कुंडली

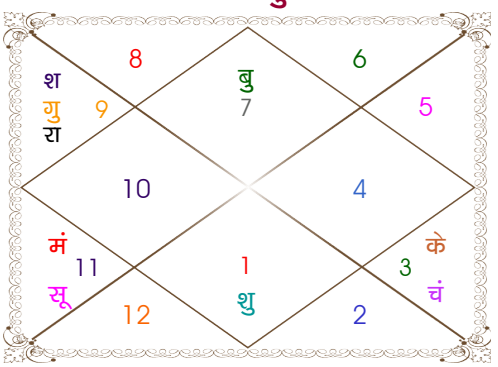

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : चन्द्र 3 वर्ष 7 मास 5 दिन

चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष	
20/01/2016		26/08/2019		26/08/2026		25/08/2044		25/08/2060	
26/08/2019		26/08/2026		25/08/2044		25/08/2060		26/08/2079	
	00/00/0000	मंगल	22/01/2020	राहु	08/05/2029	गुरु	13/10/2046	शनि	29/08/2063
	00/00/0000	राहु	09/02/2021	गुरु	02/10/2031	शनि	26/04/2049	बुध	08/05/2066
	00/00/0000	गुरु	16/01/2022	शनि	08/08/2034	बुध	02/08/2051	केतु	17/06/2067
	00/00/0000	शनि	24/02/2023	बुध	24/02/2037	केतु	08/07/2052	शुक्र	17/08/2070
	20/01/2016	बुध	22/02/2024	केतु	14/03/2038	शुक्र	09/03/2055	सूर्य	30/07/2071
बुध	25/11/2016	केतु	20/07/2024	शुक्र	14/03/2041	सूर्य	26/12/2055	चंद्र	27/02/2073
केतु	26/06/2017	शुक्र	19/09/2025	सूर्य	06/02/2042	चंद्र	26/04/2057	मंगल	08/04/2074
शुक्र	24/02/2019	सूर्य	25/01/2026	चंद्र	08/08/2043	मंगल	02/04/2058	राहु	12/02/2077
सूर्य	26/08/2019	चंद्र	26/08/2026	मंगल	25/08/2044	राहु	25/08/2060	गुरु	26/08/2079

बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष	
26/08/2079		25/08/2096		27/08/2103		27/08/2123		27/08/2129	
25/08/2096		27/08/2103		27/08/2123		27/08/2129		00/00/0000	
बुध	22/01/2082	केतु	21/01/2097	शुक्र	27/12/2106	सूर्य	15/12/2123	चंद्र	27/06/2130
केतु	19/01/2083	शुक्र	24/03/2098	सूर्य	27/12/2107	चंद्र	14/06/2124	मंगल	26/01/2131
शुक्र	19/11/2085	सूर्य	29/07/2098	चंद्र	27/08/2109	मंगल	20/10/2124	राहु	27/07/2132
सूर्य	25/09/2086	चंद्र	27/02/2099	मंगल	27/10/2110	राहु	14/09/2125	गुरु	26/11/2133
चंद्र	25/02/2088	मंगल	27/07/2099	राहु	26/10/2113	गुरु	03/07/2126	शनि	27/06/2135
मंगल	21/02/2089	राहु	14/08/2100	गुरु	26/06/2116	शनि	15/06/2127	बुध	21/01/2136
राहु	10/09/2091	गुरु	21/07/2101	शनि	27/08/2119	बुध	20/04/2128		00/00/0000
गुरु	16/12/2093	शनि	30/08/2102	बुध	27/06/2122	केतु	26/08/2128		00/00/0000
शनि	25/08/2096	बुध	27/08/2103	केतु	27/08/2123	शुक्र	27/08/2129		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल चंद्र 3 वर्ष 7 मा 9 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपकी जन्मपत्रिका के अध्ययन से यह स्पष्ट हो रहा है कि जिस समय आपका जन्म हुआ था। उस समय मेदिनीय क्षितिज पर मेष लग्न उदित था। साथ ही भरणी नक्षत्र के तृतीय चरण में जन्म के प्रभाव से जन्म नवमांश तुला एवं धनु राशि का द्रेष्काण उदित था। ज्ञातव्य है कि जन्मलग्न के प्रभाव से आप अपनी योग्यता एवं क्षमता का उचित उपयोग करेंगी। आप अपनी उन्नति के लिए तथा अपने उद्देश्य की पूर्ति हेतु अपनी प्रतिभा एवं प्रवृत्ति के अनुसार अपना कार्यकलाप निर्धारित करेंगी। आप अपनी उन्नति के लिए अपनी योजना और गतिविधि के अनुसार अपने को उन्नति कारक कर सकती हैं। आप प्रारंभ में नयी कार्य शैली को संपादित करने की संघटनात्मक व्यवस्था कर लें। आप अपनी स्थिरता एवं मजबूती के लिए मात्र अपनी बुद्धि को लगनशील बनाएं। अपनी योजना के कार्यान्वयन के लिए अपने विचार में स्थिरता लाएं और बुद्धि का उचित संचालन करें। अपने विचारों में परिवर्त्तनशीलता लाकर एक कार्य या अन्य कार्य संपादित करने की प्रवृत्ति का त्याग करना चाहिए। आप अपनी धार्मिक प्रवृति के अनुसार एकाग्रचित होकर, अपने निर्णयानुसार एक बार एक ही कार्य को संपादन करने के प्रवृति में कोई बदलाव नहीं लाएं तो निश्चित रूप से आप सफल होंगी। आप अपनी कामयाबी प्राप्त करने के लिए अन्य संभावनाओं के त्याग कर सफल होंगी।

आप में अनुकूल कार्यकलाप संपादन करने की बहुत बड़ी शक्ति विद्यमान है। अपरिमेय साहस एवं आत्मविश्वास के साथ कार्य की सफलता हेतु अग्रसर रहेंगी। आपके प्रभाव एवं निर्देशन से सभी लोग प्रभावित होते हैं तथा आपकी नेतागिरि के प्रभाव से आपका निर्देशन प्राप्त करते हैं। आप में कठिन कार्य संपादन करने की क्षमता है तथा आप परिश्रम से बहुत अधिक धन और यश प्राप्त करेंगे। परंतु आप बहुत अधिक धन का अपव्यय करती हैं। परिणामस्वरूप आपके लिए बहुत धन संग्रह करना एक दुष्कर कार्य है।

आप में सतत जहां-तहां भ्रमण करने की प्रवृति विद्यमान है। आप एक स्थान से दूसरे स्थान की यात्रा प्रेमपूर्वक करेंगी तथा नये-नये स्थान पर नयी मित्रता स्थापित करेंगी। आप अपने मित्रों एवं शुभ चिंतकों के द्वारा उन्नति करेंगे तथा अपने जीवन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी।

आपको अपने शत्रुओं के प्रति सशंकित अथवा चिंतित रहने की कोई आवश्यकता नहीं है। वास्तव में वे लोग आपको पूर्ण सुरक्षित समझते हैं। क्योंकि वे आपकी क्षणिक क्रोधयुक्त मनोदशा देख कर भयभीत रहेंगे।

आप अपने परिवार के प्रति पूर्ण सतर्क रह कर अपने परिवार के लिए अतिरिक्त समय निकाल लेती हैं। आप पारिवारिक संतुष्टि के पश्चात् अपनी जवावदेही से पूर्णरूपेण मुक्त है।

आप सुखपूर्वक अपनी संपूर्ण आयु आनंददायक ढंग से व्यतीत कर लेंगी। क्योंकि आप में सशक्त आंतरिक शक्ति विद्यमान है। आप अपनी संतुष्टि हेतु विपरीत योनि के प्रति आसक्त रह कर उत्तेजनात्मक जीवन-व्यतीत करेंगी। परिणामस्वरूप आप जिस प्रकार यौन

संबंध का निर्वाह करेंगी वह संबंध किसी खास यौन रोग की उत्पत्ति का कारक होगा। अतः किसी पुरुष के साथ भ्रमण एवं सैर सपाटे में सावधानी रखें। अन्यथा आपकी लापरवाही से पसंद किया गया गुप्त कार्य कष्टदायक हो सकता है।

आप शरीर से दुबली-पतली परंतु मांसल युक्त सशक्त शरीर से युक्त रहेंगी। आपका ललाट उन्नत एवं आपका चेहरा लंबा है तथा ओठ नुकीली होगी। यह संभव है कि जल्द ही आपके सिर पर चोट लग जाए तथा घाव का चिंह्न बन जाए। आप सदैव ही बुद्धिमत्ता पूर्ण ढंग से सावधानी पूर्वक सुरक्षित ढंग से गंभीर दुर्घटना से बचें। मुख्यतः दुर्घटना से अपने सिर की सुरक्षा के प्रति सतर्क रहें। इसलिए शीघ्रतापूर्वक गाड़ी चलना त्याग दें तथा सावधानी पूर्वक व्यस्त पंथ को पार करें।

आप सदैव ही अपने भोजन एवं समुचित विश्राम के प्रति पूर्ण रूपेण सतर्क रहें। क्योंकि आपको जीवन में आराम नही मिलता है। समय पर भोजन और विश्राम नही करना हानिप्रद रहेगा। आप सदैव ही मद्यपान एवं मासांहार का त्याग करें। ग्रहों के प्रभाव से आपके लिए हरी साक-सब्जी का आहार अनुकूल है। इसके अतिरिक्त निश्चिन्तता पूर्वक विश्राम एवं अच्छी मात्रा में शयन करें।

आपके लिए मंगलवार, गुरुवार, रविवार एवं सोमवार उपयुक्त एवं भाग्यशाली दिन है। शुक्रवार, शनिवार एवं बुधवार तीन दिन आपके लिए प्रतिकूल एवं व्ययकारी होंगे।

आपके लिए लाल, ताम्र वर्ण एवं पीला रंग अनुकूल है। आपके लिए सदैव ही काला रंग त्यागनीय है।

आपके लिए भाग्यशाली अंक 9 एवं 1 अंक है। आपके जीवन मे अंक 6 एवं 7 अंक सर्वथा त्याज्य है।